संसार के धर्म व पंथ

प्रश्न व उत्तर कुंजी का पुनरावलोकन

डॉ. स्टीफन गिब्सन

shepherds
GLOBAL CLASSROOM

विषय-सूची

3. मॉर्मनवाद 4

4. यहोवा विट्नेस 5

5. इग्लेसिया नी क्रिस्टो 6

6. ईस्टर्न लाइटनिंग अर्थात् पूर्वी दिशा का प्रकाश 7

7. प्रॉस्पैरिटी थ्योलॉजी अर्थात् सुख-समृद्धि वाला ईशविज्ञान 8

8. अनधिकृत प्रकाशन वाले पंथ 9

9. हिन्दू-धर्म 10

10. बौद्ध धर्म 11

11. ताओवाद 12

12. इस्लाम 13

13. यहूदी धर्म 14

14. नया युगवादी धर्म 15

15. जीववाद 16

16. वूडू 17

17. सैवंथ-डे एडवेंटिज्म को समझना 18

18. रोमन कैथोलिकवाद को समझना 19

19. ईस्टर्न ऑर्थोडॉक्सी अर्थात् पूर्वी कट्टरवाद को समझना 20

20. संयुक्त पेन्टिकोस्टलवाद को समझना 21

अध्याय 3

मॉर्मनवाद

1. मॉर्मनवादी दूसरी कलीसियाओं के बारे में क्या सोचते हैं?

   मॉर्मनवादी मानते हैं कि अन्य सभी कलीसियाएँ झूठी हैं।

2. मॉर्मनवाद मसीहियत के इतिहास के बारे में क्या विश्वास करते हैं?

   मॉर्मनवादी विश्वास करते हैं कि सच्ची मसीहियत प्रेरितों के बाद तब तक विद्यमान नहीं थी जब तक कि उनकी कलीसिया का प्रारम्भ नहीं हुआ?

3. मॉर्मनवादी क्या मानते हैं कि यीशु अपने जन्म से पहले क्या था?

   मॉर्मनवादी मानते हैं कि यीशु अन्य स्वर्गदूतों की तरह एक आत्मा था; वह परमेश्वर नहीं था।

4. मॉर्मनवाद का अन्तिम लक्ष्य क्या है?

   एक मॉर्मनवादी का अंतिम लक्ष्य मृत्यु के बाद परमेश्वर बनना है।

5. मॉर्मनवाद के लिए सर्वोच्च अधिकारी कौन है?

   मॉर्मनवाद के लिए सर्वोच्च अधिकार जोसेफ स्मिथ का प्रकाशन है।

अध्याय 4

यहोवा विट्नेस

1. यहोवा विट्नेस अन्य कलीसियाओं के बारे में क्या सोचते हैं?

यहोवा विट्नेस विश्वासी सोचते हैं कि अन्य सारी कलीसियाएं शैतानिक हैं और केवल यहोवा विट्नेस वाले ही बच सकते हैं।

2. यहोवा विट्नेस विश्वासी पवित्र आत्मा के बारे में क्या विश्वास करते हैं?

यहोवा विट्नेस विश्वासियों का मानना है कि पवित्र आत्मा परमेश्वर नहीं, अपितु एक अव्यक्तिगत शक्ति है जो परमेश्वर की ओर से आती है।

3. यहोवा विट्नेस यीशु के बारे में कौन-सी झूठे मान्यताओं को सिखाते हैं?

यहोवा विट्नेस सिखाते हैं कि यीशु पहली वस्तु था जिसे परमेश्वर ने रचा था, लेकिन वह केवल एक सिद्ध व्यक्ति था, न कि परमेश्वर।

4. यहोवा विट्नेस क्या मानते हैं कि एक व्यक्ति को उद्धार पाने के लिए क्या करना चाहिए?

यहोवा विट्नेस का मानना है कि उद्धार पाने के लिए, एक व्यक्ति को उनके संगठन में शामिल होना चाहिए, उनके सिद्धांतों को सीखना चाहिए और उनकी शर्तों का अभ्यास शुरू करना चाहिए।

अध्याय 5

इग्लेसिया नी क्रिस्टो

1. इग्लेसिया नी क्रिस्टो नाम का अनुवाद क्या है?

इग्लेसिया नी क्रिस्टो नाम को "मसीह की कलीसिया" के रूप में अनुवाद किया गया है।

2. कौन सा पंथ शिक्षाओं के मामले में इग्लेसिया नी क्रिस्टो के समान बड़ा है?

इग्लेसिया नी क्रिस्टो का सिद्धांत बहुत हद तक यहोवा विट्नेस के समान है।

3. इग्लेसिया नी क्रिस्टो की सबसे महत्वपूर्ण मान्यता क्या है?

इग्लेसिया का सबसे महत्वपूर्ण विश्वास यह है कि वही सच्ची कलीसिया है, जिसे फेलिक्स मनलो द्वारा बहाल किया गया है।

4. इग्लेसिया नी क्रिस्टो यीशु को क्या शिक्षा देते हैं?

इग्लेसिया नी क्रिस्टो शिक्षा देते हैं कि यीशु एक विशेष व्यक्ति था परन्तु वह परमेश्वर नहीं था।

5. इग्लेसिया नी क्रिस्टो के अनुसार, एक व्यक्ति को उद्धार के लिए कौन से दो काम करने चाहिए?

इग्लेसिया नी क्रिस्टो के अनुसार, एक व्यक्ति को उनकी कलीसिया में शामिल होना चाहिए और उद्धार पाने के लिए उनकी शर्तों को पालन करना चाहिए।

अध्याय 6

ईस्टर्न लाइटनिंग अर्थात् पूर्वी दिशा का प्रकाश

1. ईस्टर्न लाइटनिंग नामक पंथ का आधिकारिक नाम क्या है?

ईस्टर्न लाइटनिंग को "चर्च ऑफ ऑलमाइटी गॉड" के नाम से जाना जाता है।

2. ईस्टर्न लाइटनिंग यीशु के बारे में क्या सिखाती है?

ईस्टर्न लाइटनिंग सिखाती है कि यीशु का नाम अब लुप्त और शक्तिहीन है, और यह कि डेंग अब मसीह है।

3. ईस्टर्न लाइटनिंग के अनुसार, एक व्यक्ति को कैसे उद्धार पाता है?

ईस्टर्न लाइटनिंग के अनुसार एक व्यक्ति को यीशु में अपने विश्वास को त्याग देना चाहिए और इसके बजाय मादा मसीह, डेंग का अनुसरण करना चाहिए।

अध्याय 7

प्रॉस्पैरिटी थ्योलॉजी अर्थात् सुख-समृद्धि वाला ईशविज्ञान

1. सुख-समृद्धि वाले ईशविज्ञान के प्रचारक विश्वास के बारे में अपनी शिक्षा में किस बात पर जोर देते हैं?

सुख-समृद्धि वाले ईशविज्ञान के प्रचारक इस बात पर जोर देते हैं कि प्रत्येक व्यक्ति के पास स्वास्थ्य और धन हो सकता है यदि वह विश्वास का उपयोग करना सीख जाए।

2. सुख-समृद्धि वाले ईशविज्ञान के अनुसार विश्वास क्या है?

सुख-समृद्धि वाले ईशविज्ञान के अनुसार, विश्वास विश्व की अवैयक्तिक शक्ति और सार है।

3. सुख-समृद्धि वाले ईशविज्ञान के अनुसार, ईश्वर कौन है?

सुख-समृद्धि वाले ईशविज्ञान के अनुसार, परमेश्वर पूर्ण रीति से हमारे जैसा ही एक शारीरिक व्यक्ति है।

4. सुख-समृद्धि वाले ईशविज्ञान के अनुसार, लोग क्या हैं?

सुख-समृद्धि वाले ईशविज्ञान के अनुसार, लोग ईश्वर की प्रतियाँ हैं।

अध्याय 8

अनधिकृत प्रकाशन वाले पंथ

1. अनधिकृत प्रकाशन वाले पंथ लोगों की भावनात्मक और आत्मिक जरूरतों को पूरा करने का प्रयास कैसे करते हैं?

अनधिकृत प्रकाशन वाले पंथ संसार की स्थिति और हमें तैयार होने के लिए क्या करना चाहिए, यह समझाकर लोगों की जरूरतों को पूरा करने का प्रयास करते हैं।

2. अनधिकृत प्रकाशन वाले पंथ बाइबल का किस प्रकार से गलत इस्तेमाल करते हैं?

नए प्रकाशन के आधार पर बाइबल में अर्थ जोड़ने के लिए अनधिकृत प्रकाशन वाले पंथ बाइबल का दुरुपयोग करते हैं।

3. बाइबल में पाई जाने वाली भविष्यसूचक लेखों का सबसे बड़ा विषय क्या है?

भविष्यसूचक लेखों का प्रमुख विषय है कि सब कुछ परमेश्वर के नियन्त्रण में है और वह अन्ततः अपने राज्य को स्थापित करके धर्मी को प्रतिफल देगा।

4. अनधिकृत प्रकाशन वाले पंथ कैसे विनाशकारी हैं?

अनधिकृत प्रकाशन वाले पंथ मसीही कलीसियाओं के लोगों को झूठे सिद्धांत की ओर ले जाते हैं, गैर-मसीही व्यवहार में भाग लेते हैं, अपने पीछे चलने वालों के विश्वास को तोड़ देते हैं, और लोगों को पवित्रशास्त्र पर संदेह करने का कारण बनते हैं।

अध्याय 9

हिन्दू-धर्म

1. हिन्दुओं के अनुसार ब्रह्म क्या है?

हिन्दुओं का मानना है कि ब्रह्म हर जीवित वस्तु में आत्मा या आवश्यक स्वयं के रूप में विद्यमान है।

2. हिन्दू धर्म के देवताओं का नैतिक चरित्र एक सच्चे ईश्वर के नैतिक चरित्र से कैसे भिन्न है?

हिन्दू धर्म के देवता अच्छाई और बुराई दोनों में भाग लेते हैं।

3. एक हिन्दू का अंतिम लक्ष्य क्या है?

एक हिन्दू का अंतिम लक्ष्य निर्वाण नामक शाश्वत स्थिति में आने के लिए पुनर्जन्म के चक्र से छुटकारा पाना है।

4. हिन्दू यीशु को किस दृष्टिकोण से देखते हैं?

कुछ हिन्दू विश्वास करते हैं कि यीशु हिन्दु धर्म का पालन करने वाले एक व्यक्ति था, वह एक अच्छे गुरू था, लेकिन वह परमेश्वर के अद्वितीय पुत्र नहीं था।

अध्याय 10

बौद्ध धर्म

1. बौद्ध अनुयायियों के अंतिम लक्ष्य के नाम बताएँ और इसे परिभाषित करें।

बौद्ध अनुयायियों का अंतिम लक्ष्य निर्वाण में प्रवेश करना है, जिसका अर्थ शून्य, स्वयं का अंत होने से है।

2. बौद्ध अनुयायी ईश्वर के बजाय किसमें विश्वास करते हैं?

बौद्ध एक परम वास्तविकता में विश्वास करते हैं जो कि विद्यमान हरेक चीज का कुल योग है।

3. जीवन में दुखों के लिए बौद्ध अनुयायियों के पास क्या स्पष्टीकरण है?

दु:ख इच्छाओं का परिणाम है।

4. बौद्ध अनुयायी मानसिक और आत्मिक अभ्यास क्यों करते हैं?

बौद्ध स्वयं को आत्म-केन्द्रित करने के द्वारा आगे बढ़ने में मदद करने के लिए मानसिक और आत्मिक अभ्यास करते हैं।

अध्याय 11

ताओवाद

1. ताओवादी किस से प्रार्थना करते हैं?

ताओवादी अनेकों, देवताओं, आत्माओं और पुरखाओं से प्रार्थना करते हैं।

2. ताओवादियों में सर्वोच्च ईश्वर कौन है?

ताओवादी यू-हूआंग में विश्वास करते हैं, जो अन्य देवताओं पर प्रभुता करता है; इसके अलावा वे यूआन-शीश तिआन-त्सून में विश्वास करते हैं, जिसमें ईश्वर की सारी विशेषताएं वास करती हैं लेकिन वह संसार में शामिल नहीं होता है।

3. ताओवाद का लक्ष्य क्या है?

ताओवादी अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और अपने जीवन को लंबा करने के लिए, ब्रह्मण्ड की ताकतों के साथ खुद का सामंजस्य बिठाना चाहता है।

4. ताओवाद के अनुसार, यीशु कौन हैं?

ताओवाद के अनुसार, यीशु आत्मिक रीति से उन्नत एक व्यक्ति था और उसने दूसरों को भी ईश्वर बनने का मार्ग दिखाया।

अध्याय 12

इस्लाम

1. इस्लाम के परमेश्वर, नबी, और इस्लाम की पवित्र पुस्तक का नाम बताएं।

- अल्लाह इस्लाम का ईश्वर है।
- मुहम्मद अल्लाह के नबी हैं।
- कुरान इस्लाम की पवित्र पुस्तक है।

2. मुसलमान यीशु के बारे में कौन-सी झूठी मान्यताएँ थामे हुए हैं?

मुसलमान यह नहीं मानते कि यीशु ईश्वर का पुत्र या ईश्वर का देहधारी था, और वे इस बात से इनकार करते हैं कि यीशु इस संसार का उद्धारकर्ता है।

3. मुसलमान बाइबल के बारे में क्या विश्वास करते हैं?

मुसलमान विश्वास करते हैं कि बाइबल परमेश्वर की ओर दी गयी है लेकिन उसकी मान्यता कुरान के मुकाबले में कम है।

4. मुसलमान उद्धार को लेकर क्या विश्वास करते हैं?

मुसलमान विश्वास करते हैं कि इस्लाम की शर्तों (पाँच स्तंभ) को पूरा करने के द्वारा उद्धार कमाया जा सकता है।

अध्याय 13

यहूदी धर्म

1. कौन सा ग्रन्थ यहूदियों और मसीहियों में सामान्य है?

यहूदी और मसीही दोनों ही पुराने नियम में विश्वास करते हैं।

2. यहूदियों के अनुसार, यीशु कौन था?

यहूदियों के अनुसार, यीशु एक विवादास्पद शिक्षक था, लेकिन वह मसीह और परमेश्वर तो बिल्कुल नहीं था।

3. यहूदी किसी प्रकार के मसीह के आगमन की अपेक्षा कर रहे हैं?

एक यहूदी आशा करता है कि मसीह परमेश्वर का देहधारी नहीं होगा, बल्कि वह विशेष रूप से एक ऐसा अभिषिक्त जन होगा जो इस संसार में शांति लाएगा।

4. यहूदियों में उद्धार को किस नज़रिये से देखा जाता है?

यहूदियों में उद्धार को सताव या परिस्थितियों से छुटकारे के रूप में देखा जाता है जो उन्हें परमेश्वर की सेवा करने से रोकता है जैसी उन्हें करनी चाहिए।

अध्याय 14

नया युगवादी धर्म

1. नए युगवादी दूसरे धर्मों को किस प्रकार देखते हैं?

नए युगवादी धर्म के लोग ऐसे समाज को छोड़ किसी के साथ भी घुल मिलने के लिए तैयार हो जाते हैं जो कहते हैं कि उनके पास ऐसा सत्य है जिसे सबको मानना चाहिए।

2. परमेश्वर के बारे में नए युगवाद का क्या नजरिया है?

परमेश्वर के बारे में नए युगवाद का नजरिया सर्वेश्वरवादी वाला है।

3. नए युगवादी धर्म के लोग आलौकिक तत्वों के साथ किस तरह से व्यवहार करते हैं?

नए युगवाद के अनुयायी सभी प्रकार के जादू का उपयोग करके अलौकिक तत्वों के साथ बातचीत करते हैं।

4. नए युगवाद के अनुयायी यीशु के बारे में क्या विश्वास करते हैं?

नए युगवादी के अनुयायी मानते हैं कि यीशु विशेष शक्तियों को इस्तेमाल करने का ज्ञान रखने वाले व्यक्ति था और उसने दूसरों को भी ऐसा ही करने की शिक्षा दी।

5. पाप के बारे में नया युगवाद के अनुयायी क्या विश्वास रखते हैं?

नए युगवाद के अनुयायी पाप की वास्तविकता में विश्वास नहीं करते हैं, क्योंकि वे एक ऐसे परमेश्वर में विश्वास नहीं करते हैं जो मापदण्ड निर्धारित करता है और न्याय करता है।

6. उद्धार के बारे में नया युगवाद के अनुयायी क्या विश्वास रखते हैं?

नए युगवाद के अनुयायी उद्धार संबंधी बाइबल के दृष्टिकोण को अस्वीकार करते हैं, और मानते हैं कि मानवीय समस्याओं का समाधान आत्मिक जागरूकता और आत्मिक शक्तियों का विकास करने में है।

अध्याय 15

जीववाद

1. क्या जीववादी मान्यताएँ एक विशेष धर्म तक ही सीमित हैं? समझाएँ।

   नहीं। हिन्दू धर्म, बौद्ध धर्म, वूडूवाद और रोमन कैथोलिक धर्म सहित विश्व के अन्य प्रमुख धर्मों में उपासकों के बीच कई समान जीववादी मान्यताएँ और रीति रिवाज मिल सकते हैं।

2. जीववादी धर्म के लोग किस प्रकार से आत्माओं से बातचीत करते हैं?

   जीववादी विशेष शब्दों, वस्तुओं या गतिविधियों का उपयोग करके आत्माओं के साथ बातचीत करते हैं।

3. जीववादी परमेश्वर से प्रार्थना क्यों नहीं करते हैं?

   जीववादी परमेश्वर से प्रार्थना इसलिए नहीं करते क्योंकि उन्हें लगता कि उससे संपर्क स्थापित होना संभव नहीं है।

4. एक अंधविश्वास क्या होता है?

   अंधविश्वास एक ऐसा विचार है कि किसी व्यक्ति को विशेष वस्तुओं या कार्यों या आत्मिक शक्ति वाले स्थानों के कारण कुछ प्रथाओं का पालन करना चाहिए।

5. एक मसीही अंधविश्वास से क्यों बंधा हुआ नहीं है?

   एक मसीही अंधविश्वास से इसलिए बंधा हुआ नहीं है क्योंकि वह परमेश्वर की सर्वोच्च सामर्थ्य पर विश्वास करता है।

अध्याय 16

वूडू

1. वूडू भक्त किसकी पूजा करते हैं?

वूडू भक्त शैतान और बुरी आत्माओं की पूजा करते हैं।

2. वूडू उपासना सभा में एक भक्त का लक्ष्य क्या होता है?

वूडू भक्त अपने भीतर आत्मा को बुलाना चाहता है।

3. वूडू धर्म किस चर्च के अनुष्ठानों, चित्रों और संत के नामों का इस्तेमाल करता है?

वूडू रोमन कैथोलिक चर्च के अनुष्ठानों, चित्रों और संतों के नामों का इस्तेमाल करता है।

4. वूडू के अनुष्ठानों में इस्तेमाल की जाने वाली चीज़ों के उदाहरण बताएं?

आपके उत्तर में निम्नलिखित में से कुछ बातें शामिल होनी चाहिए:

वूडू उपासक उनके पूजा-पाठ में

- पशु बलि
- नृत्य
- गाने
- प्रार्थना
- भोजन
- खींचे गए चित्र
- सांप
- सफेद कपड़े
- चेहरे का पेंट

उपयोग करते हैं।

अध्याय 17

सैवंथ-डे एडवेंटिज्म को समझना

1. वह कौन सी प्रमुख शिक्षा है जो ऐडवेन्टिस्टवादियों को अन्य कलीसियाओं से अलग करती है?

   ऐडवेन्टिस्टवादी शनिवार को सब्त के रूप में मनाने के कारण अन्य कलीसियाओं से अलग है।

2. परमेश्वर के बारे में ऐडवेन्टिस्टवादी दृष्टिकोण क्या है?

   ऐडवेन्टिस्टवादी त्रिएकता और मसीह तथा पवित्र आत्मा की ईश्वरीयता पर विश्वास करते हैं।

3. उद्धार के बारे में ऐडवेन्टिस्टवादी दृष्टिकोण क्या है?

   ऐडवेन्टिस्टवादी भले कामों के द्वारा नहीं, अपितु विश्वास के माध्यम से अनुग्रह के द्वारा उद्धार में विश्वास करते हैं।

4. ऐडवेन्टिस्टवादी क्या मानते हैं कि पुनरुत्थान के समय लोगों का क्या होगा?

   एडवेंटिस्टवादी मानते हैं कि पुनरुत्थान के समय बचाए जाने वाले सभों को अनन्त जीवन मिलेगा, जबकि जो नहीं बचाए जाएँगे उनका न्याय किया जाएगा और उन्हें आग की झील में डाल कर नष्ट कर दिया जाएगा।

अध्याय 18

रोमन कैथोलिकवाद को समझना

1. रोमन कैथोलिक अपने नाम में किस चीज़ का दावा करते हैं?

रोमन कैथोलिक पूर्ण रूप से, सार्वभौमिक कलीसिया होने का दावा करता है।

2. रोमन कैथोलिकवादियों पर मूर्तिपूजा का आरोप क्यों लगाया जाता है?

रोमन कैथोलिक विश्वासियों पर मूर्तिपूजा करने का आरोप इसलिए लगता है क्योंकि वे संतों और मरियम की प्रतिमाओं से प्रार्थना करते हैं।

3. परमेश्वर के बारे में रोमन कैथोलिकवादी क्या विश्वास रखते हैं?

रोमन कैथोलिक त्रिएकता, ईश्वरत्व, मृत्यु, मसीह का गाड़ा जाना और उसका शारीरिक पुनरुत्थान और पवित्र आत्मा के ईश्वरत्व में विश्वास करते हैं।

4. उद्धार का रोमन कैथोलिकवादी दृष्टिकोण क्या है?

रोमन कैथोलिक विश्वास करते हैं कि उद्धार केवल मसीह के प्रायश्चित करने पर ही निर्भर नहीं करता वरन् यह कैथोलिक कलीसिया में भागी होने, प्रभु भोज ग्रहण करने, और भले कामों के आधार पर है।

5. परगेटरी यानी पापशोधन स्थल संबंधी रोमन कैथोलिक शिक्षा क्या है?

रोमन कैथोलिक में परगेटरी की शिक्षा के अनुसार मृत्यु के पश्चात प्रत्येक व्यक्ति को दण्ड मिलेगा और उसे स्वर्ग में जाने से पहले शुद्ध किया जाएगा।

अध्याय 19

ईस्टर्न ऑर्थोडॉक्सी अर्थात् पूर्वी कट्टरवाद को समझना

1. ईस्टर्न ऑर्थोडॉक्स चर्च का नाम क्या दावा करता है?

ऑर्थोडॉक्स शब्द का अर्थ है सही आराधना से है, और यह दर्शाता है कि ईस्टर्न ऑर्थोडॉक्सी चर्च यह दावा करती है कि वही उचित रीति से परमेश्वर की आराधना करने वाली चर्च है।

2. ईस्टर्न ऑर्थोडॉक्स चर्च का परमेश्वर के बारे में क्या दृष्टिकोण है?

ईस्टर्न ऑर्थोडॉक्स चर्च त्रिएकता में और मसीह व पवित्र आत्मा के ईश्वरत्व पर विश्वास करते हैं।

3. ईस्टर्न ऑर्थोडॉक्सी के अनुयायी संतों से प्रार्थना क्यों करते हैं?

ईस्टर्न ऑर्थोडॉक्सी के कई अनुयायी परमेश्वर और यहाँ तक कि यीशु को उसने दूर और उनके बारे में कोई दिलचस्पी न रखने वाले मानते हैं, इसलिए वे इसके बजाय संतों से प्रार्थना करते हैं।

4. ईस्टर्न ऑर्थोडॉक्स चर्च बाइबल के बारे में क्या सिखाती है?

ईस्टर्न ऑर्थोडॉक्स चर्च सिखाती है कि बाइबल उनकी शिक्षाओं की अधिकारी है, लेकिन बाइबल की व्याख्या चर्च द्वारा की जानी चाहिए।

5. ईस्टर्न ऑर्थोडॉक्सी की शिक्षा के अनुसार *थियोसिस* में क्या होता है?

ईस्टर्न ऑर्थोडॉक्सी के अनुसार, *थियोसिस* में एक विश्वासी धीरे-धीरे परमेश्वर की तरह बनता चला जाता है, उसके पास पवित्र पूर्णता जैसा स्वभाव होता है।

अध्याय 20

संयुक्त पेन्टिकोस्टलवाद को समझना

1. यीशु के बारे में संयुक्त पेन्टिकोस्टलवादी दृष्टिकोण क्या है?

संयुक्त पेन्टिकोस्टलवादी का मानना है कि यीशु पिता परमेश्वर के समान व्यक्ति है, इसलिए वे मसीह के ईश्वरत्व में विश्वास करते हैं।

2. संयुक्त पेन्टिकोस्टलवाद के अनुसार, एक व्यक्ति के पास उद्धार के लिए कौन सी बातें आश्यक रूप से होनी चाहिए?

संयुक्त पेन्टिकोस्टल के अनुसार, एक व्यक्ति को उद्धार पाने के लिए आत्मा से भरा होना चाहिए, अन्यभाषा में बोलना चाहिए, और यीशु के नाम पर (त्रिएकता में नहीं) बपतिस्मा लेना चाहिए।

3. मसीही जीवन के बारे में संयुक्त पेन्टिकोस्टलवाद क्या विश्वास रखते हैं?

संयुक्त पेन्टिकोस्टल का मानना है कि एक मसीही पवित्र आत्मा की सामर्थ्य से पाप पर विजयी जीवन व्यतीत करेगा।

4. बाइबल के बारे में संयुक्त पेन्टिकोस्टलवाद क्या विश्वास रखते हैं?

संयुक्त पेन्टिकोस्टलवादी विश्वास करते हैं कि बाइबल ही सर्वोच्च अधिकार है और कलीसिया को प्रेरितों के काम की पुस्तक में पायी जाने वाली कलीसिया के उदाहरण का पालन करना चाहिए।